८. झंडा ऊँचा सदा रहेगा

– रामदयाल पांडेय

अपने जिले में सामाजिक कार्य करने वाली किसी संस्था का परिचय निम्न मुद्दों के आधार पर प्राप्त करके टिप्पणी बनाइए :–

कृति के लिए आवश्यक सोपान :

● विद्यार्थियों से जिले की समाज में काम करने वाली संस्थाओं की सूची बनवाएँ। ● किसी एक संस्था की जानकारी मुद्दों के आधार पर एकत्रित करने के लिए कहें। ● कक्षा में चर्चा करें।

ऊँचा सदा रहेगा, ऊँचा सदा रहेगा ।
हिंद देश का प्यारा झंडा ऊँचा सदा रहेगा ।
झंडा ऊँचा सदा रहेगा ।।

तूफानों से और बादलों से भी नहीं झुकेगा,
नहीं झुकेगा, नहीं झुकेगा झंडा ऊँचा सदा रहेगा ।
झंडा ऊँचा सदा रहेगा ।।

केसरिया बल भरने वाला, सादा है सच्चाई,
हरा रंग है हरी हमारी, धरती की अँगड़ाई ।
और चक्र कहता कि हमारा, कदम कभी न रुकेगा ।
झंडा ऊँचा सदा रहेगा ।।

शान हमारी ये झंडा है, ये अरमान हमारा,
ये बल पौरुष है सदियों का, ये बलिदान हमारा ।
जीवन-दीप बनेगा, ये अँधियारा दूर करेगा ।
झंडा ऊँचा सदा रहेगा ।।

आसमान में लहराए ये, बादल में लहराए,
जहाँ-जहाँ जाए ये झंडा, ये (बात/ संदेश/ संवाद) सुनाए ।
है आज हिंद, ये दुनिया को आजाद करेगा ।
झंडा ऊँचा सदा रहेगा ।।

परिचय

जन्म : १९१५ बिहार **मृत्यु :** २००२
परिचय : रामदयाल पांडेय जी स्वतंत्रता सेनानी और राष्ट्रभाव के महान कवि थे। साहित्य को जीने वाले अपने धुन के पक्के, आदर्श कवि और विद्वान संपादक के रूप में प्रसिद्ध रामदयाल जी अनेक साहित्यिक संस्थाओं से जुड़े रहे।

पद्य संबंधी

प्रेरणागीत : प्रेरणागीत वे गीत होते हैं जो हमारे दिलों में उतरकर हमारी जिंदगी को जूझने की शक्ति और आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

प्रस्तुत कविता में कवि ने अपने देश के झंडे का गौरवगान विभिन्न स्वरूपों में किया है।

https://youtu.be/xPsg3GkKHb0

श्रवणीय

देशभक्ति परक हिंदी गीतों को सुनिए।

नहीं चाहते हम दुनिया को, अपना दास बनाना,
नहीं चाहते औरों के मुँह की (बात/रोटी/फटकार) खा जाना ।
सत्य-न्याय के लिए हमारा लहू सदा बहेगा ।
झंडा ऊँचा सदा रहेगा ।।

हम कितने सुख सपने लेकर, इसको (ठहराते/फहराते/लहराते) हैं ।
इस झंडे पर मर मिटने की, कसम सभी खाते हैं ।
हिंद देश का है ये झंडा, घर-घर में लहरेगा ।
झंडा ऊँचा सदा रहेगा ।।

शब्द संसार

अरमान(पुं.सं.तु) = लालसा, चाह
पौरुष (पुं.सं) = पुरुषार्थ, पराक्रम, साहस
दास (पुं.सं) = सेवक, गुलाम
लहू (पुं.सं) = रक्त, खून

पाठ के आँगन में

(१) संजाल पूर्ण कीजिए :

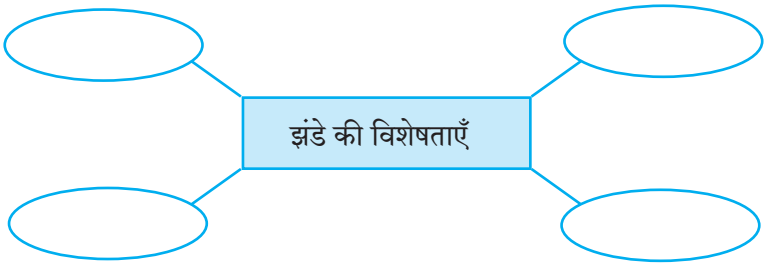

(२) 'स्वतंत्रता का अर्थ स्वच्छंदता नहीं', इस विधान पर स्वमत दीजिए ।

संभाषणीय

क्रांतिकारियों के जीवन से संबंधित कोई प्रेरणादायी प्रसंग/घटना पर आधारित संवाद बनाकर प्रस्तुत कीजिए ।

कल्पना पल्लवन

'मेरे सपनों का भारत' इस कल्पना का विस्तार अपने शब्दों में कीजिए ।

लेखनीय

राष्ट्र का गौरव बनाए रखने के लिए पूर्व प्रधानमंत्रियों द्वारा किए सराहनीय कार्यों की सूची बनाइए ।

नौवीं कक्षा पाठ-२ इतिहास और राजनीति शास्त्र

पठनीय

किसी ऐतिहासिक नाटक का अंश पढ़िए ।

रचना बोध

.....
.....
.....

भाषा बिंदु

(१) विरामचिह्न पढ़िए, समझिए :–

विरामचिह्न

स्थान सूचक (...)

यह चिह्न सूचियों में खाली स्थान भरने के काम आता है।
जैसे (१) लेख– कविता... (२) बाबू मैथिलीशरण गुप्त ...

अपूर्ण सूचक (XXX)

किसी लेख में से जब कोई अंश छोड़ दिया जाता है; तब इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है ।
जैसे – तुम समझते हो कि यह बालक है ।
XXX
गाँव के बाजार में वह सब्जी बेचा करता था ।

विरामचिह्न

संकेत सूचक (.)

किसी संज्ञा को संक्षेप में लिखने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है ।
जैसे – डॉ. (डाक्टर)
कृ.पी.दे. – कृपया पीछे देखिए ।

समाप्ति सूचक(–0–)

बहुधा लेख अथवा पुस्तक के अंत में इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है ।
जैसे – इस तरह राजा और रानी सुख से रहने लगे ।
(–0–)

(२) नीचे दिए गए विरामचिह्नों के सामने उनके नाम लिखकर इनका उपयोग करते हुए वाक्य बनाइए :–

चिह्न	नाम	वाक्य
–		
?		
____		
[ ]		
“ ”		
....		
,		
!		
;		
( )		
।		
XXX		
–0–		
{ }		
...		